युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया
(भारत सरकार का उपक्रम)
आपका बैंक

United Bank of India
(A Govt. of India Undertaking)
The Bank that begins with U

www.unitedbankofindia.com

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2017-2018

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया
प्रधान कार्यालय
युनाइटेड टावर, 11, हेमन्त बसु सरणी, कोलकाता-700 001
www.unitedbankofindia.com

United Bank of India
Head Office
United Tower, 11, Hemanta Basu Sarani, Kolkata-700 001
www.unitedbankofindia.com

विषय-सूची

- निदेशक मंडल 2
- मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं महाप्रबंधकगण 3-4
- बैंक का संक्षिप्त इतिहास और संकल्प 5
- कार्यनिष्पादन की एक झलक 6-7
- शेयरधारकों को संदेश 8-9
- निदेशकों की रिपोर्ट और प्रबंधन विचार-विमर्श एवं विश्लेषण 10-30
- कंपनी अभिशासन की रिपोर्ट 31-40
- आचार संहिता की घोषणा 41
- सीईओ-सीएफओ का प्रमाण-पत्र 42
- कंपनी अभिशासन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र 43
- स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 44-45
- 31 मार्च, 2018 का तुलन-पत्र 46-47
- अनुसूची 1 - अनुसूची 12 48-55
- 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष का लाभ-हानि लेखा 56-57
- अनुसूची 13 - अनुसूची 18 58-90
- 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का नकदी प्रवाह विवरण 91-92
- बासेल - III मानदंडों के अन्तर्गत पीलर-3 का प्रकटीकरण 93-132

CONTENTS

- Brief History & Vision Statement of the Bank 1
- Performance at a glance 2-3
- Message to Shareholders 4-5
- Director's Report & Management Discussion and Analysis 6-25
- Corporate Governance Report 26-35
- Code of Conduct Declaration 36
- CEO-CFO Certificate 37
- Auditors' Certificate on Corporate Governance 38
- Independent Auditors' Report 39-40
- Balance Sheet as on 31st March 2018 41-42
- Schedule 1 - Schedule 12 43-49
- Profit & Loss Account for the year ended 31st March 2018 50
- Schedule 13 - Schedule 18 51-82
- Cash Flow Statement for the year ended 31st March 2018 83-84
- Pillar - 3 Disclosure under Basel - III Norms 85-125

निदेशक मंडल /BOARD OF DIRECTORS

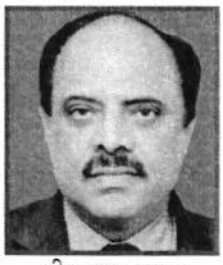

श्री पवन बजाज
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
Shri Pawan Bajaj
Managing Director & CEO

श्री अशोक कुमार प्रधान
कार्यपालक निदेशक
Shri Ashok Kumar Pradhan
Executive Director

श्री समीर कुमार खरे
भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक
Shri Sameer Kumar Khare
Govt. of India Nominee Director

श्री अर्णब राय
आरबीआई द्वारा नामित निदेशक
Shri Arnab Roy
RBI Nominee Director

श्री एस. सूर्यनारायण
शेयरधारक निदेशक
Shri S. Suryanarayana
Shareholder Director

श्री दिनेश सिंह
सनदी लेखाकार श्रेणी के तहत
अंशकालिक-गैर कार्यालयीन निदेशक
Shri Denesh Singh
Part-time Non-Official Director
under Chartered Accountant Category

श्री सिद्धार्थ प्रधान
अंशकालिक-गैर कार्यालयीन निदेशक

Shri Sidhartha Pradhan
Part-time Non-official Director

मुख्य सतर्कता अधिकारी / CHIEF VIGILANCE OFFICER

श्री अरुण कुमार वर्मा
Shri Arun Kumar Verma

महाप्रबंधकगण की सूची / LIST OF GENERAL MANAGERS

श्री नरेश कुमार कपूर
Shri Naresh Kumar Kapoor

श्री संजय कुमार
Shri Sanjay Kumar

श्री मानस धर
Shri Manash Dhar

मो. आब्दुल वाहिद
Md. Abdul Wahid

श्री उमेश कुमार राय
Shri Umesh Kumar Roy

श्रीमती सुनंदा बसु
Smt. Sunanda Basu

श्री बाला राजू कुंतिला
Shri Bala Raju Kuntilla

श्री विनय गंदोत्रा
Shri Vinay Gandotra

श्री गौरी प्रसाद शर्मा
Shri Gauri Prosad Sarma

श्री सुभाशीष बिश्वास
Shri Subhasis Biswas

श्री राकेश चंद्र नारायण
Shri Rakesh Chandra Narayan

श्री विनोद कुमार बब्बर
Shri Vinod Kumar Babbar

कंपनी सचिव, अनुपालन अधिकारी एवं निदेशक मंडल के सचिव :

श्री बिक्रमजीत सोम

रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट :

लिंक इनटाइम प्रा. लि.
सी-101, 247 पार्क
एल बी एस मार्ग, विखरोली (पश्चिम)
मुंबई - 400 083

सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षक :

मेसर्स अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसियेट्स
मेसर्स मुखर्जी विश्वास एंड पाठक
मेसर्स दिनेश जैन एंड एसोसियेट्स
मेसर्स एसबीए एसोसियेट्स

पंजीकृत कार्यालय का पता :

युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया
युनाइटेड टावर
11 हेमंत बसु सरणी
कोलकाता - 700 001

वेबसाइट
www.unitedbankofindia.com
ईमेल
investors@unitedbank.co.in

बैंक का संक्षिप्त इतिहास

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का एक समृद्ध इतिहास है - एक छोटा सा बैंक, कोमिल्ला बैंकिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, (1914 में स्थापित किया गया था) जिसका तीन अन्य बैंको के साथ विलयन हुआ था अर्थात, कोमिल्ला यूनियन बैंक लिमिटेड (1922 में स्थापित), हुगली बैंक लिमिटेड (1932 में स्थापित) और बंगाल सेंट्रल बैंक लिमिटेड (1918 में स्थापित) जो 18 जुलाई 1950 को युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया में परिणत हुआ। बैंक का मुख्यालय 4, क्लाइव घाट स्ट्रीट, (वर्तमान में एन.सी.दत्त सरणी), कोलकाता-700 001 में था, जोकि बाद में 11, हेमंत बसु सरणी, कोलकाता-700 001 के वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित हो गया। 19 जुलाई, 1969 को 13 अन्य बैंकों के साथ इस बैंक का भी राष्ट्रीयकरण हुआ। बाद में कटक बैंक लिमिटेड, तेजपुर औद्योगिक बैंक लिमिटेड, हिन्दुस्तान मर्केंटाइल बैंक लिमिटेड और नारंग बैंक ऑफ़ इंडिया लिमिटेड को इस बैंक के साथ विलय कर दिया गया।

युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया की क्षमता क्रमशः बढ़ती गई। राष्ट्रीयकरण के समय 1969 में 174 शाखाओं का नेटवर्क और 259 करोड़ रुपये के व्यवसाय से शुरू करके बैंक के अब 2057 शाखाओं / कार्यालयों के साथ कुल व्यवसाय रु 1.98 लाख करोड़ से अधिक है। पूर्वी पाकिस्तान में परिचालित शाखाओं को 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध के परिणाम स्वरूप उन्हें बंद कर दिया गया। बैंक ने 2010 में ढाका, बांग्लादेश और बाद में यांगून, म्यामार में प्रतिनिधि कार्यालय स्थापित करके अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार किया है। बैंक का अंतरराष्ट्रीय परिचालन, वैदेशिक बैंकों के साथ विदेशी संवाददाता के माध्यम से विस्तार नेटवर्क के द्वारा समर्थित है।

युनाइटेड संकल्प

हमारा संकल्प व्यावसायिकता, विश्वास एवं पारदर्शिता के वातावरण में, समष्टि अभिशासन और सामाजिक उत्तरदायित्वों के उच्चतम मानकों को अपनाकर, समस्त स्वत्वाधारियों की अपेक्षाओं और अपने कर्मचारियों की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और जोखिम प्रबंधन पर समुचित बल देते हुए, हमारे देश के एक व्यवसाय वृद्धि एवं लाभप्रदता पर केंद्रीभूत, गतिशील, प्रौद्योगिकी उन्नत, ग्राहक हितैषी, प्रगामी, आर्थिक रूप में सुदृढ़, अखिल भारतीय बैंक के रूप में उभरना है।

सारतः, सर्वोत्कृष्टता की प्राप्ति ही, हमारे बैंक का आंतरिक दर्शन और प्रेरणा स्रोत होगा।

कार्यनिष्पादन की विशेषताएं

- 31 मार्च, 2018 तक बैंक के कुल व्यवसाय में रु.198018 करोड़ की वृद्धि हुई।
- 31 मार्च, 2018 कुल जमा राशि रु. 2387 करोड़ की वृद्धि होकर रु. 129326 करोड़ हो गई।
- 31 मार्च, 2018 तक कासा के अंश में 48.44% का सुधार हुआ, 31 मार्च 2017 से 4.26% की वृद्धि दर्ज की गई।
- खुदरा ऋण पोर्टफोलियो में 17% की वृद्धि हुई जिसमें आवास ऋण पोर्टफोलियो में 21.62% की वृद्धि हुई और कार ऋण में 29.28% की वृद्धि हुई।
- एमएसएमई अग्रिम में 16.64% की वृद्धि रेकॉर्ड की गई।
- 2018 की चौथी तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में रु. 2.31% की वृद्धि हुई और बैंकएश्योरेंस व्यवसाय द्वारा संचालित गैरब्याज आय में 39.34% की बढ़ोतरी हुई।
- पिछले वर्ष के इसी तिमाही की तुलना में सभी विषमताओं के अलावा, वित्तीय वर्ष 2017-18 की चौथी तिमाही में परिचालनगत लाभ में 14.53% की वृद्धि हुई।
- एनआईएम में, मार्च 2017 में 1.63% से मार्च 2018 में 2.30% का सुधार हुआ।
- बेसेल-III मानक के अंतर्गत उपर्युक्त नियामक आवश्यकताओं में बैंक अपनी पूंजी पर्याप्तता अनुपात को बनाए रखा है। 31 मार्च 2018 तक सीआरआर टियर-1 में 9.87% एवं सीईटी 1 अनुपात में 8.39% के साथ 12.62% पर बना रहा।

कार्यनिष्पादन की एक झलक

राशि करोड़ ₹ में

मानदंड	2015-16	2016-17	2017-18
शाखाओं की संख्या	2011	2053	2057
कुल व्यवसाय	187813	197442	198018
प्रतिशत वृद्धि	5.58	5.13	0.29
कुल जमा	116401	126939	129326
प्रतिशत वृद्धि	6.97	9.05	1.88
कुल अग्रिम	71412	70503	68692
प्रतिशत वृद्धि	3.39	-1.27	-2.57
सीडी अनुपात	61.35	55.54	53.12
निवेश	44934	53355	51201
कुल आस्तियाँ	129432	141053	144749
परिचालनगत लाभ	1812	1553	1024
शुद्ध लाभ	-282	220	-1454
पूँजी	1319.52	1812.00	3013.64
का			
ईक्विटी शेयर पूंजी	839.52	1394.00	3000.00
शेयर आवेदन राशि (लंबित आवंटन)	480.00	418.00	13.64
रिजर्व और अधिशेष	4999.67	5931.46	5661.59
पूँजी पर्याप्तता अनुपात			
सीआरएआर %	10.08	11.14	12.62
टीयर 1%	7.93	8.94	9.87
सीईटी 1%	7.74	8.46	8.39
कुल स्टाफ	14981	14962	14814
प्रति कर्मचारी व्यवसाय	12.37	13.04	13.22

शेयरधारकों को संदेश

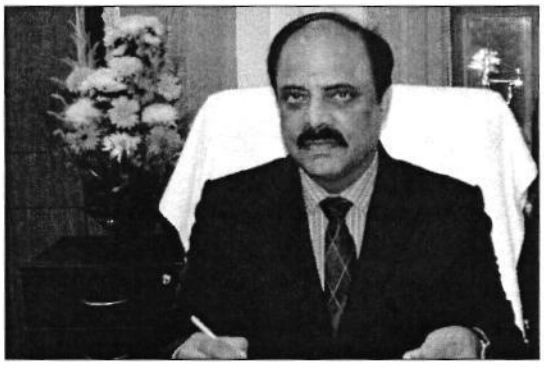

प्रिय शेयरधारकों,

वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए बैंक का वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है, इसे आप पिछले बारह महीनों के दौरान बैंक के कार्यनिष्पादन का रिपोर्ट कार्ड समझ सकते हैं। यह प्रशंसनीय रहा है कि देश और विदेश में एक चुनौतीपूर्ण वातावरण होते हुए भी हम अपने सुदृढ़वादी, सर्तक तथा राजस्व उन्मुख बैंक बनने के दृष्टिकोण के साथ अडिग रहे, जो वैश्विक भागदौड़ के परिणामों, स्थानीय चुनौतियों, औद्योगिक मंदी और बैंकिंग असफलताओं के कारण हुई क्षति से उभर रहा है। युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया लगातार कंपनी अभिशासन के उच्चतम मानक का अनुपालन करता है और इसे विनियामक विवशता के बजाय एक नैतिक आवश्यकता के रुप में मानता है।

संरचनात्मक परिवर्तन तथा अल्पकालिक समस्याएं

भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा संरचनात्मक सुधार दिनांक 01 जुलाई, 2017 को अत्यधिक विलंब से लागू किया गया सबसे विवादास्पद माल एवं सेवा कर का प्रारम्भ होना है । यह एक सर्वव्यापी कर सुधार है जिसका लक्ष्य विभिन्न राज्यों द्वारा लगाये जानेवाले विविध करों में अंतर्निहित अक्षमता को अलग करते हुए एक एकीकृत सामान्य बाजार का सृजन करना है। परिवर्तन के इस समय में अस्थायी अवरोधों की वजह से शुरुआती गड़बड़ियां भी साथ थीं। हालांकि, धीरे-धीरे उभर रहे नियमों तथा प्रक्रियाओं के स्पष्टीकरण के साथ इसमें सुधार किया गया। हमारी टीम ने हमारी जानकारी तथा आईटी भागीदारों और सरकार के साथ मिलकर काम किया ताकि उभरने वाली समस्याओं को कम किया जा सके।

विशेष रुप से बैंकिंग क्षेत्र में दूसरा सबसे बड़ा परिवर्तन जिसने लगभग सभी बैंकों की चौथी तिमाही को बुरी तरह से प्रभावित किया, वह भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपने दिनांक 12 फरवरी, 2018 के परिपत्र के माध्यम से तनावग्रस्त आस्तियों का संकल्प संशोधित फ्रेमवर्क का आदेश देना था। नियामक ने इन्सोलवेंसी और बैंकरप्सी कोड 2016 (आईबीसी) के साथ तनावग्रस्त आस्तियों को सिंक्रनाइज़ करने और इसके समाधान हेतु एक सामंजस्यपूर्ण और सरलीकृत जेनरिक फ्रेमवर्क की शुरुआत करने का प्रयास किया है। नये फ्रेमवर्क का उद्देश्य तनाव को पहले पहचान कर उसकी रिपोर्टिंग करना, एक समाधान योजना बनाना तथा आईबीसी के तहत समयबद्ध रुप से बैंकरप्सी की कार्रवाई पूरी करना है। परिपत्र में पहले लागू किए गए सभी पुनर्गठन की योजनाओं जैसे सीडीआर, एस4ए और एसडीआर को निष्क्रिय कर दिया तथा उन सभी खातों को इस परिपत्र के तहत शामिल किया गया। चौथी तिमाही में बैंकों द्वारा रिपोर्ट किए गए आस्ति गुणवत्ता के मुद्दे इस परिपत्र के लिए प्रमुख रुप से जिम्मेदार हैं । दूसरी तरफ, इससे पूरे बैंक में आस्ति गुणवत्ता की सही स्थिति उजागर हो गई।

त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए):

आप जानते हैं कि उच्च निवल एनपीए, निम्नतम लिवरेज अनुपात तथा 31 मार्च, 2017 तक पूंजीकरण की आवश्यकता के कारण 10 अन्य सार्वजनिक बैंकों के साथ हमारा बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक के पीसीए फ्रेमवर्क के तहत शामिल है। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि नियामक कार्रवाई किसी भी प्रकार से नियमित व्यवसायिक गतिविधियों का निर्वाह करने में बैंक की स्वतंत्रता को बाधित नहीं कर रही है । बल्कि, यह लाभ प्रतिधारण पूंजीगत वृद्धि, क्रेडिट विविधीकरण और लागत नियंत्रण पर ध्यान देकर बैंक के हित की रक्षा कर रही है। कहने की जरूरत नहीं है कि पीसीए लागू होने से पहले मेरी नियुक्ति से, हमनें इन सभी लक्ष्यों को ध्यान में रखा है ।

बैंकिंग सुधार:

आपको यह जानकारी होगी कि केन्द्र सरकार ने मीडिया में व्यापक रुप से प्रचारप्रसार करके सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए एक अति आवश्यक सुधार कार्यक्रम का शुभारम्भ किया है, यह बैंकों को सार्वजनिक क्षेत्र का उत्तरदायी और जिम्मेदार बैंक बनने के लिए सुधार एजेंडा के प्रति प्रतिबद्ध बनाने की परिकल्पना करता है, जिसका लक्ष्य है संवर्धित पहुंच और सेवा उत्कृष्टता (ईएएसई), जिसमें ग्राहक की प्रतिक्रिया, उत्तरदायी बैंकिंग, क्रेडिट ऑफटेक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को उदयमित्र के रुप में (एमएसएमई पर लक्ष्यित) बनाना, वित्तीय समावेशन और डिजिटलीकरण को मजबूत बनाने तथा ब्रांड पीएसबी के लिए कार्मिक का विकास करते हुए उसके परिणाम (एचआर) को सुनिश्चित करना। सुधार ऐजेंडाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए बैंक ने रणनीतिगत इक्विटी निवेशों, बैंक के परिचालन के लिए अनावश्यक संपदा की बिक्री, गैरमूल संपत्तियों में किसी भी नए निवेश से बचते हुए, भारत सरकार के अनुमोदन के बगैर लाभांश का वितरण नहीं करने तथा समग्र सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा बैंक के भीतर शाखाओं का समेकन आदि के जरिए लाभ अर्जित करने का कार्य प्रारम्भ किया है । मैं पुष्टि करता हूँ कि हम सुधार ऐजेंडा का कड़ाईपूर्वक पालन कर रहे हैं।

सुधार ऐजेंडा के एक भाग के रुप में, बैंक को रु. 2634 करोड़ राशि की सामान्य इक्विटी (टियर I) पूंजी (सीईटी I) प्राप्त हुई है जो केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गए विशेष प्रतिभूतियों में बैंक द्वारा समकक्ष राशि के समकालिक निवेश की एवज में था। इस कार्य से चौथी तिमाही में अतिरिक्त स्लिपेज के बावजूद बैंक को एक सराहनीय पूंजी पर्याप्तता की रिपोर्टिंग करने में मदद मिली ।

टर्नअराउंड:

2014-15 के बाद से इस बैंक का लाभ छिटपुट रहा है। हालांकि 2014-15 तथा 2016-17 में लाभ अर्जित करते हुए, बैंक ने 2015-16 और 2017-18 में हानि की रिपोर्टिंग भी की है। वित्तीय परिणामों की कुछ झांकिया निम्नलिखित हैं-

बैंक ने

- वित्तीय वर्ष 2017-18 में रु.1454.45 करोड़ की राशि की निवल हानि हुई है;
- भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रारम्भ किए गए तनावग्रस्त आस्तियों के समाधान हेतु संशोधित फ्रेमवर्क के कारण मार्च 2018 में बड़े पैमाने पर आस्ति गुणवत्ता में गिरावट हुई जो चौथी तिमाही के फिसलन का 65% है;

- बैंक ने 31 मार्च, 2018 तक सकल एनपीए बैंक के सकल अग्रिम का 24.10% की रिपोर्टिंग की है जिसके परिणामस्वरूप प्रावधानीकरण आवश्यकताओं में लगभग 100% की वृद्धि हुई है;

इन विफलताओं के होते हुए भी मुझे विश्वास है कि प्रदर्शन से सकारात्मकता की ओर बढ़ने का प्रयास किया गया है।

- बैंक ने करीब 50% कासा का रखरखाव करना प्रारम्भ किया है; इस बार वर्षवार 4.27% की वृद्धि करते हुए 48.44% कासा की रिपोर्टिंग करना कोई अपवाद नहीं था;
- खुदरा पोर्टफोलियो में 17% की वृद्धि हुई जिसमें आवास ऋण पोर्टफोलियो में 21.62% तथा वाहन ऋण पोर्टफोलियो में 29.28% की वृद्धि हुई है;
- एमएसएमई अग्रिम में 16.64% की वृद्धि हुई है;
- निवल ब्याज आय में 2.31% तथा गैरब्याज आय में 39.34% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है;
- सभी बाधाओं के बावजूद, वित्तीय वर्ष 2018 की चौथी तिमाही में परिचालनगत लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में 14.53% की वृद्धि हुई है;
- एनआईएम में मार्च 2017 में 1.63% और दिसम्बर 2017 में 1.51% से मार्च 2018 में 2.30% का उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिसे मैं सराहनीय उपलब्धि के रुप में मानता हूं
- आरबीआई के दिनांक 12 फरवरी के सराहनीय परिपत्र की वजह से बैंक का मानक आस्ति पुनर्गठन पोर्टफोलियो जो एक वर्ष पहले रु5513 करोड़ का था वह मार्च 2018 तक रु479 करोड़ तक हो गया, जिससे मैं मानता हूं कि हम सभी को बहुत बड़ी राहत मिली है;
- 30 खाते जिसमें बैंक का कुल रु5951 करोड़ का निवेश है उसे एनसीएलटी को संदर्भित किया गया था। एक खाते का हाल ही में समाधान किया गया जिसमें रु628.42 करोड़ के बकाया शेष की एवज में रु488.23 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। यह आशा है कि इस वित्त वर्ष के अंत तक अधिक से अधिक खातों का समाधान किया जा सकता है जिससे सकल और निवल एनपीए में कमी आएगी और बैंक के मुनाफे में सुधार होगा;

सुधार, की भावना का सम्मान करते हुए हमने अपनी व्यवसाय योजना मंत्रालय को प्रस्तुत की है जिसे यदि अनुमोदित किया जाता है तो चालू वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही तक बैंक को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। टर्नअराउंड योजना में जिस बात पर विचार किया गया है वह है पूंजी आवश्यकता के समक्ष एक इष्टतम स्तर पर आरडब्ल्यूए का रखरखाव करना, कॉरपोरेट निवेशों को कम करना और खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई (राम) पोर्टफोलियों पर ध्यान देना, इसके समग्र अग्रिम पोर्टफोलियो में अधिक स्थिरता बनाए रखने के क्रम में श्रेणीकृत खातों के कॉरपोरेट अग्रिम को सीमित करना, वसूली उपायों को बढ़ाना, गैरब्याज आय में वृद्धि तथा सभी स्तरों पर लागत को नियंत्रित करना।

पुरस्कार और उपलब्धियां:

2017-18 के दौरान, बैंक को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। कुछ निम्नलिखित हैं-

- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (लघु श्रेणी) में एसएचजी लिंकेज में सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार;
- ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आरसेटी की गतिविधियो में दूसरे सर्वश्रेष्ठ बैंक का सम्मान;
- केडिट लिंकेज के जरिए महिला एसएचजी गतिविधियों को उत्कृष्ट समर्थन प्रदान करने हेतु आन्नदधारा, पश्चिम बंगाल द्वारा सम्मान;
- ऐसोचेम द्वारा सामाजिक बैंकिंग सर्वोत्तम पुरस्कार 2017;
- प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के तहत रोजगार सृजन करने के लिए स्कॉच पुरस्कार;

पावतियां:

मैं केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, भारतीय रिज़र्व बैंक, पश्चिम बंगाल सरकार तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा विभिन्न मुद्दों के विभिन्न बिन्दुओं पर की गई सहायता तथा दिए गए दिशानिर्देशों को पूरी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंज और बीमा नियामक और विकास प्राधिकारी के प्रति उनकी सहायता और समयोचित सुझावों के लिए आभार व्यक्त करता हूं। प्रत्येक ग्राहक जिन्होंने हमपर अपना विश्वास बनाए रखा तथा प्रत्येक कर्मचारी सदस्य जिन्होंने अपने अथक परिश्रम से बैंक को उभारा तथा मुझे और अधिक प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया उन सभी को मेरा हार्दिक धन्यवाद।

भारत के विकास की कहानी और आगे बढ़ना:

आगे बढ़ते हुए, मुझे लगता है कि अनिश्चितता जारी रहेगी। हालांकि, हम जीएसटी कार्यान्वयन के प्रभाव को धीरेधीरे शांत करने, तनावग्रस्त आस्तियों के समाधान संबंधी आरबीआई के परिपत्र के प्रभाव को कम करने, कई राज्यों में आगामी चुनाव तथा सामान्य चुनाव की वजह से अर्थव्यवस्था में होने वाली अस्थिरता की स्थिति को कम करने में सक्षम हैं। लेकिन, मुझे विश्वास है कि अस्थिरता के बीच नए अवसरों को प्राप्त करने तथा एकाग्रता और दृढ़ता के साथ अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हमारी क्षमता से हमें अधिक उद्देश्य और दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।

भवदीय,

ह/-

पवन बजाज

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

डी आई एन: 03291906

28 मई, 2018, कोलकाता